tional Park in view of its being the last refuge for the endangered Nilgiri-tahr. Their reaction is awaited. The State Government, however, are themselves empowered to declare the Sanctuary as a National Park keeping in view its ecological faunal, floral, geomorphological or zoological importance under Section 35 of the Wild Life (Protection) Act, 1972.

भारतीय संस्कृति पर पुस्तक

*515. श्री श्रोम प्रकाश त्यागी : क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पता है कि भारतीय संस्कृति ने विश्व के बहुत से देशों और मुख्यत: एशियाई देशों की संस्कृति को प्रभावित किया है ; और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इस विषय पर किये गये शोध कार्य को दर्शाने वाली एक पुस्तक प्रकाशित करना चाहती है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) जी, हां ।

(ख) भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला तथा भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली को पहले ही 'प्राचीन भारतीय तथा एशियाई सभ्यता की एक स्रोत पुस्तक' नामक एक परियोजना सौंपी गई है । इस परियोजना के अन्तर्गत अभी तक निम्नलिखित प्रकाशन प्रकाशित हुए हैं :

(1) इंडियन सिविलाइजेशन: दि फर्स्ट फेज—प्राब्लमस आफ ए सोर्स बुक

(2) अन्डरस्टैंडिंग इंडियन सिविलाइजेशन : ए फ्रेम वर्क आफ इन्क्वायरी

(3) ब्राह्मीकल रिचुअल ट्रेडीशन्स

(4) प्लानिंग कांफ्रेंस रिपोर्ट आन डिसेंट एण्ड प्रोटेस्ट मोवमेन्ट इन इंडियन सिविलाइजेशन

(5) डिसेन्ट प्रोटेस्ट एण्ड रिफार्म मूवमेन्ट्स इन इंडियन सिविलाइजेशन

(6) क्राइटीरिया आफ सोशल इवेलुएशन इन इंडिया प्लानिंग कांफ्रेंस रिपोर्ट

ढोरों का बीमा

*516. श्री धर्मसिंह भाई पटेल : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ढोरों की बीमा सम्बन्धी कोई योजना है और यदि हां, तो तत्सम्बन्धी मुख्य बातें क्या है ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान इस दिशा में कितनी प्रगति हुई है ;

(ग) क्या वर्ष 1977–78 के लिए ढोर बीमा के लिए कोई कार्यक्रम है और यदि हां, तो तत्सम्बन्धी तथ्य क्या है ; और

(घ) किसानों और ढोर पालकों (कैटल-ब्रीडरों) के हितों की रक्षा करने के लिए केन्द्रीय सरकार ने क्या कार्यवाही की है अथवा करने का विचार है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) सामान्य बीमा निगम की चार शाखाएं पशु बीमा का कारोबार कर रही हैं ।

उनके द्वारा चलाई गई योजनाएं नीचे दी गई हैं :

वर्णन	बीमा-दर (कुल)		
	देशी पशु	दोगली नस्ल के पशु	विदेशज (आयातित पशु)
(क) सुगठित डेरियां/सोसायटियां/शीर्ष निकाय जिनके पास अपनी पशु चिकित्सा सेवाएं तथा कम से कम 100 पशु हैं :			
(i) यदि बीमा किए पशुओं की कुल संख्या 1000 से कम है	3.50 प्रतिशत	4.00 प्रतिशत	5.50 प्रतिशत
(ii) यदि बीमा किए पशुओं की संख्या 1000 अथवा अधिक है . . .	3.00 प्रतिशत	3.50 प्रतिशत	5.00 प्रतिशत
(ख) अन्य डेरियों के लिए .	3.75 प्रतिशत	4.25 प्रतिशत	5.75 प्रतिशत
(ग) व्यक्तिगत के लिए . .	4.00 प्रतिशत	4.50 प्रतिशत	6.00 प्रतिशत
(घ) निम्नलिखित (ङ) के अलावा बैंकों तथा अन्य वित्तदायी संस्थाओं द्वारा वित्त प्रदत्त पशुओं के लिए दिया गया वित्त .	3.25 प्रतिशत	3.75 प्रतिशत	5.25 प्रतिशत
(ङ) लघु किसान विकास एजेंसी/सीमान्त किसान तथा कृषि श्रमिक/सूखा ग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम की आर्थिक सहायता से खरीदे गए पशु .	—विशेष प्रबन्धों के अनुसार दर तथा शर्तें।		

बीमाकृत राशि बाजार-मूल्य अथवा बैंक ऋण के 80 प्रतिशत तथा 100 प्रतिशत के बीच में होती है। बीमा कुछेक विशेष अपवर्जनों के अधीन पहले हुए दुर्घटना अथवा बीमारी से हुई मृत्यु को कवर करता है।

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान इस बारे में की गई प्रगति निम्न प्रकार है :—

वर्ष	बीमा किए पशुओं की संख्या	बीमा की राशि (रुपए में)	दावे	
			पशुओं की संख्या	धनराशि (रुपए में)
1974 . .	29,670	24,82,608	791	15,81,276
1975 . .	62,856	48,45,388	1646	24,30,129
1976 . .	2,10,090	1,32,93,254	3189	58,35,307

(ग) और (घ). 1 अप्रैल, 1977 से लघु किसान विकास एजेंसी/सूखा ग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम योजनाओं के अन्तर्गत लाभभोगियों द्वारा खरीदे गए देशी तथा दोगली नस्ल के दुधारू पशुओं के लिए पशु बीमा की एक संशोधित योजना शुरु की गई है। किस्त ऋण मूल्य के 2.25 प्रतिशत की रियायती दर पर है। इस योजना में 3–8 वर्षों की आयु वाले दुधारु पशु आते हैं। पालिसी कुछेक अपवर्जनों के अधीन रहते हुए दुर्घटना अथवा बीमारी के कारण बीमा किए पशुओं की मृत्यु को कवर करती है। पूर्ण तथा स्थायी असमर्थता भी अतिरिक्त किस्त की अदायगी पर कवर की जाती है। खेड़ा जिला दुग्ध उत्पादक संघ के अधीन दुधारु पशुओं के बीमा की दूसरी योजना 1–7–1977 से शुरु की गई है। किस्त की दर प्रतिवर्ष बीमाकृत राशि की 2.34 प्रतिशत है। बीमाकृत राशि दुग्ध उत्पादन के आधार पर आंकी गई कीमत की 80 प्रतिशत है। सामान्य बीमा निगम बछड़ा-पालन कार्यक्रमों के अन्तर्गत दोगली नस्ल की ओसरों का बीमा करने की एक योजना पर भी विचार कर रहा है।

National Capital Region

*517. SHRI SATISH AGARWAL: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) what is the National Capital Region (NCR) Plan and what progress has been made so far;

(b) why a large portion of Bharatpur district of Rajasthan was not included in NCR, while it fulfils required norms for the same; and

(c) whether Government feel that NCR, as it stands today, needs to be recast, if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) to (c). The National Capital Region Plan is a Comprehensive Area Development Plan for Delhi and its immediate surrounding area comprising the districts of Meerut and Bulandshahr in Uttar Pradesh, the districts of Gurgaon, Rohtak and Sonepat and the tehsils of Panipat of Karnal district and Rewari of Mahendragarh district in Haryana and the five tehsils of Alwar, Behror, Kishangarh, Mandawar and Tijara of Alwar district in Rajasthan. The National Capital Region has an area of 30,292 sq Kms. and a population of about 140 lakhs according to 1971 Census.